



समाप्त श्री माता (जाच सेडल सुभय मण्डल) कवि लिपि

कुल्लु वंश-९

आठ सेक 1914-113

विडड्या ओकड (७)

वजना रीक व कल्प

सूच्ये 1642/1111

ओकड

ओकड वंश आत्मगत धार 35 (3) पुस्तक लिखित 195

ओकड की मोल से निरु प्रपति है,

16.4.14
प्र

1:- यह कि ओकड की उपरोक्त विद्यापी आच माता कापालप से छुट्टी विदा थी जो किने राव. का. अलावा लगाई गई जिस धर्म कारकोड सुधारित है. ए प्रपत व ओकड के सब अनुपातिकी की 50% के अतिरिक्त धर्म नामे उा रहे गई!

2:- यह कि यह ओकड कापालप से उठने के बाद ही कापालप इस में उपस्थित हुका जात हुआ कि कुछ ओकडय धर्म गई

3:- यह कि डा. डा. लकाए एवं सुभाषेणर है जिस विलम्ब से धर्म व ओकड काजी में सुन गई के शाब्दिक धर्म जा गी कापालप है

अस

प्रपति

डा. आनंदि कापालप से प्रपति की

कापालप के डा. काकड (कोडा) व ओकड में आकापी निध विदा व डा. विलम्ब धर्म अतिर ओकडय धर्मिक से का की कापालपिकी सुचि वंश

सुभय
दिनांक
16/04/14

ओकड
16/4
रवि शर्मा

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही अथवा आदेश | पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर |
|------------------|--|--|
| <p>२७-१-१५</p> | <p>मात्रे ० कलियुक्त पत्रे विलेन. मि. लाल एवं विलेन. कलियुक्त पत्रे विलेन. मि. लाल विलेन. उपरिलेन. मि. लाल उभय-पक्षी विलेन. मि. लाल कलियुक्त-पत्रे विलेन. मि. लाल विचारपरंतु प्रकरणे विलेन. मि. लाल जात है। मूल प्रकरणे R/1914/BBE/13 पुनः सुनवाट्टे के विलेन. जात है। यद्य प्रकरणे अमात रोजे विलेन. विलेन. है।</p> <p style="text-align: right;">[Signature] प्रमाण सप्तम.</p> | |